नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अलीगंज लखनऊ

आख्या

खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाओं: त्रिदिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ आज गूगल मीट के माध्यम से हुआ

July 11, 2020

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज के वाणिज्य विभाग द्वारा खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाओं विषयक त्रिदिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ आज गूगल मीट के माध्यम से मुख्य अतिथि एवम् प्राचार्य प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी द्वारा किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुये उन्होंने कहा कि करोना काल में रोज़गार की चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं। सरकारी रोज़गार सीमित हैं तथा प्राईवेट सेक्टर का काम भी मंदा हुआ है। ऐसी स्थिति में छोटे उद्योग धंधों से जीविकोपार्जन किया जा सकता है।उन्होंने सम सामयिक विषय पर गोष्ठी कराने के लिये वाणिज्य विभाग को बधाई दी।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में खादी उद्योग विभाग के लखनऊ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र की प्राचार्य श्रीमती तनुजा ने लघु उद्योगों के बारे में सरकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिये सरकार प्रदेश में दस प्रशिक्षण केंद्र चला रही है जिसमें मधुमक्खी पालन पापड़ अगरबत्ती फलसंरक्षण आदि अनेक प्रकार कीट्रेनिंग पन्द्रह दिनो की दी जाती है जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के अठारह से पैंतालीस उम्र के कोई भी स्त्री पुरुष भाग ले सकते हैं उक्त अवधि में उनका रहना खाना फ्री होता है तथा पाँच सौ छात्रवृत्ति भी दी जाती है।

इसके अलावा कौशल विकास के सम्बन्ध में केन्द्र एवम् राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं बैंक द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले कर्ज तथा उस पर मिलने वाली सब्सिडी तथा भुगतान के बारे में विस्तार से चर्चा की।

उन्हने ये भी जानकारी दी की शहर के लोगों के लिये दो सौ रुपये के अतिअल्प शुल्क पर भी अनेक प्रकार की ट्रेनिंग दी जाती है ।

कार्यशाला की समन्वयक तथा वाणिज्य की विभागाध्यक्ष डाक्टर क्रान्ति सिंह ने तीन दिवसीय कार्यशाला की थीम प्रस्तुत करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री जी आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा क़रने की ज़िम्मेदारी शिक्षकों तथा छात्राओं की भी है।अपना उद्योग शुरू करके छात्राएँ स्वयं आत्मनिर्भर बन सकती हैं।इसके पूर्व भी डाक्टर क्रांति सिंह रोज़गारपरक वेबिनार का आयोजन कर चुकी हैं।

कार्यशाला की सह समन्वयक डाक्टर रश्मि अग्रवाल ने अतिथियों का परिचय कराया उन्होंने कहा कि इस आपदा को हमें अवसर में बदलना होगा। उन्होंने कार्यशाला का सफलता पूर्वक संचालन किया तथा शोधार्थि यों और वक्ताओं के बीच सेतु के रूप में कार्य किया।

आयोजक सचिव डाक्टर भास्कर शर्मा ने कहा कि अब गाँव की ओर लौटना होगा । अब समय आ गया है जब हमको गाँधी और विनोबा के रास्ते पर चलना होगा। उन्होंने अपनी कविता"एक बार फिर से आज़ादी की लड़ाई लड़ना है, सादा जीवन

उच्च विचारों का गहना गढ़ना है, गाँव गली गलियारों में मेहनतकश वाले धन्धे होंगे,और विनोबा गाँधी वाले ग्रंथ पुनः पढ़ना है"का वाचन कर उत्साहवर्धन किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन जिला ग्रामोद्योग के श्री के एल नाग तथा अंतिम दिन महिला उद्धमी अंजलि सिंह मौजूद रहेंगी।

अंत में प्रतिभागियों के सवालों का जवाब मुख्य वक्ता ने दिया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में शोधार्थी शिक्षक और छात्राएँ देश के विभिन्न भागों से मौजूद रहे।

धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की ऐसोसीयट प्रोफेसर गृह विज्ञान डाक्टर रश्मि बिस्नोई ने किया उन्होंने कहा कि आज की कार्यशाला से गाँव की विशेष तौर से गृह विज्ञान की छात्राओं को बहुत लाभ हुआ है। आज मिली जानकारी से वे अपना कल सुधार सकती हैं। उन्होंने मुख्य वक्ता प्राचार्य तथा आयोजक टीम का आभार व्यक्त किया।